



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 7 फरवरी, 2004/18 माघ, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, जिला कांगड़ा स्थित धर्मशाला (हि० प्र०)

कारण बताओ नोटिस

धर्मशाला, 21 जनवरी, 2004

संख्या पंच-के० जी० आर०ई(4) 52/91-330-35.—यह कि श्रीमती सुरक्षा देवी प्रधान, ग्राम पंचायत हडल, विकास खण्ड नूरपुर, जिला कांगड़ा ने विभिन्न निर्माण कार्यों में गम्भीर अनियमितताएं की हैं।

यह कि ग्राम पंचायत हडल का विशेष अंकेक्षण श्री चैन सिंह, जिला अंकेक्षण अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला द्वारा दिनांक 9-9-2003 को विकास खण्ड कार्यालय नूरपुर में किया गया और निर्माण कार्यों में गम्भीर अनियमितताएं पाई गईं।

इसके अतिरिक्त इस सम्बन्ध में श्री दुनि चन्द, सदस्य पंचायत समिति ने हिमाचल प्रदेश सरकार को शिकायत पत्र भेजा जिसमें प्रधान ग्राम पंचायत हडल द्वारा करवाए गए विकास कार्यों में गम्भीर आरोप लगाये गये हैं।

इन आरोपों की जांच खण्ड विकास अधिकारी, नूरपुर ने श्री रवि सिंह पंचायत निरीक्षक से करवाई और पंचायत निरीक्षक ने अपनी जांच रिपोर्ट में इन आरोपों की पुष्टि की है। साथ ही श्री गणेश दत्त उप-प्रधान, ग्राम पंचायत हडल द्वारा अपने ब्यान में इन आरोपों की पुष्टि की गई।

यह कि इस सम्बन्ध में श्रीमती सुरक्षा देवी, प्रधान ग्राम पंचायत हडल, विकास खण्ड नूरपुर से इस कार्यालय में पत्र संख्या पंच-के0 जी0 आर0-ई-6889, दिनांक 3-10-2003 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया कि वह इस सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें।

यह कि प्रधान, ग्राम पंचायत हडल द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण पर खण्ड विकास अधिकारी, नूरपुर की टिप्पणियां मांगी गई। खण्ड विकास अधिकारी नूरपुर द्वारा दी गई टिप्पणियों के अवलोकन पर प्रधान ग्राम पंचायत हडल, विकास खण्ड नूरपुर का स्पष्टीकरण तथ्यों के विपरीत पाया गया।

यह कि प्रधान, ग्राम पंचायत हडल, विकास खण्ड नूरपुर, जिला कांगड़ा राशि के दुरुपयोग में संलिप्त पाई गई है, अतः श्रीमती सुरक्षा देवी का प्रधान पंचायत जैसे गरिमामय पद पर बने रहना जनहित में नहीं है।

अतः मैं, हेम राज शर्मा, जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(1) ख व (2) हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम 1997 के नियम, 142 (1) क के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का सदुपयोग करते हुए श्रीमती सुरक्षा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत हडल, विकास खण्ड नूरपुर, जिला कांगड़ा को प्रधान पद से तत्काल निलम्बित करता हूं और उन्हें आदेश देता हूं कि यदि उनके पास पंचायत की सम्पत्ति कोई राशि या रिकार्ड हो तो उसे सचिव पंचायत को सौंप। निलम्बन अवधि में उप-प्रधान, ग्राम पंचायत हडल प्रधान की समस्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे।

आदेश द्वारा,

हेम राज शर्मा,
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला,
जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

कार्यालय उपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

कुल्लू, 27 जनवरी, 2004

संख्या पी0 सी0 एच0 (कु0) त्याग पत्र-164-69.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी कुल्लू ने अपने पत्र संख्या 5090 दिनांक 1-12-2003 में इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड की ग्राम पंचायत जिया के वार्ड संख्या-1 की सदस्या श्रीमती मीना देवी ने चौथी संतान उत्पन्न होने पर नैतिकता के आधार पर स्वेच्छा से दिनांक 1-12-2003 को अपने पद से त्याग पत्र दिया है। जिसे स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, आर0 डी0 नजीम, उपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 (1) पठित हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 135 के अन्तर्गत प्राप्त हैं श्रीमती मीना देवी सदस्या ग्राम पंचायत जिया द्वारा दिये गये त्याग पत्र को उपरोक्त दर्शाई गई दिनांक से स्वीकृत करता हूं तथा ग्राम पंचायत जिया के वार्ड संख्या-1 के पंच पद को रिक्त घोषित करता हूं।

कार्यालय उपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

कुल्लू, 27 जनवरी, 2004

संख्या पी० सी० एच० (कु०)-त्याग-पत्र-145-51.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी कुल्लू ने अपने पत्र संख्या 6382, दिनांक 19-12-2003 में इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड की ग्राम पंचायत कोठीसारी के प्रधान श्री तेज राम की नियुक्ति टी० जी० टी० शिक्षा विभाग में हो गई है जिस कारण प्रधान, ग्राम पंचायत कोठीसारी ने दिनांक 15-12-2003 को अपने पद से त्याग पत्र दे दिया है। जिसे स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, आर० डी० नजीम, उपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 (1) पठित हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम 135 के अन्तर्गत प्राप्त हैं श्री तेज राम, प्रधान, ग्राम पंचायत कोठीसारी के त्याग-पत्र को उपरोक्त दर्शाई गई दिनांक से सहर्ष स्वीकार करता हूँ तथा ग्राम पंचायत कोठीसारी के प्रधान पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

कुल्लू 27 जनवरी, 2004

संख्या पी० सी० एच० (कु०)-त्याग-पत्र-152-57.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी बन्जार ने अपने पत्र संख्या 1949, दिनांक 6-12-2003 में इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड की ग्राम पंचायत थाउगी के वार्ड संख्या 5 बनेहनी के पंच श्री धनवीर सिंह ने अपना नियुक्ति एन० एच० पी० सी० में सुरक्षा कर्मी होने के कारण दिनांक 15-1-2003 को स्वेच्छा से अपने पद से त्याग-पत्र दिया है। जिसे स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, आर० डी० नजीम, उपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 (1) पठित हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम 135 के अन्तर्गत प्राप्त हैं श्री धनवीर सिंह, पंच वार्ड संख्या 5 बनेहनी, ग्राम पंचायत थाउगी के त्याग-पत्र को उपरोक्त दर्शाई गई दिनांक से सहर्ष स्वीकार करता हूँ तथा ग्राम पंचायत थाउगी के वार्ड संख्या-5 को रिक्त घोषित करता हूँ।

कुल्लू, 27 जनवरी, 2004

संख्या पी० सी० एच० (कु०)-त्याग-पत्र-158-63.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी कुल्लू ने अपने पत्र संख्या 5090, दिनांक 1-12-2003 में इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड की ग्राम पंचायत शिलीराजगिरी के वार्ड संख्या-3 के सदस्य श्री राम सिंह ने तीसरी सन्तान होने पर नैतिकता के आधार पर स्वेच्छा से दिनांक 3-1-2004 को अपने पद से त्याग-पत्र दिया है। जिसे स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, आर० डी० नजीम, उपायुक्त कुल्लू, जिला कुल्लू उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 (1) पठित हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम 135 के अन्तर्गत प्राप्त हैं श्री राम सिंह, सदस्य, वार्ड संख्या-3 ग्राम पंचायत शिलीराजगिरि द्वारा दिए गए त्याग-पत्र को उपरोक्त दर्शाई गई दिनांक से स्वीकृत करता हूँ तथा ग्राम पंचायत शिलीराजगिरि के वार्ड संख्या-3 के पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

कारण बताओ नोटिस

कुल्लू, 27 जनवरी, 2004

संख्या पी0 सी0 एच0 (कु0) कारण बताओ/त्याग पत्र-170-74.—एतद्वारा श्री रोशन लाल सदस्य ग्राम पंचायत तलपीनी बाई संख्या 2 तलपीनी, विकास खण्ड कुल्लू, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 के खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है जो निम्नतः है :—

“(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान हैं। परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है। तथा धारा 122 के खण्ड (ग) का प्रावधान 8 जून, 2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8 जून, 2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के जिसके इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान है तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् अतिरिक्त सन्तानें या सन्तान उत्पन्न होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

खण्ड विकास अधिकारी कुल्लू ने अपने पत्र संख्या 5090 दिनांक 1-12-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि आपके दिनांक 21-6-2002 को चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है जिसका इम्दाज पंचायत के जन्म पंजीकरण रजिस्टर के क्रमांक 16 दिनांक 9-7-2002 में दर्ज है जो कि पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ग) के अन्तर्गत वर्णित अयोग्यता में आता है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये।

कुल्लू, 27 जनवरी, 2004

संख्या पी0 सी0 एच0 (कु) कारण बताओ/त्याग पत्र-175-79.—एतद्वारा श्री रेवती राम, सदस्य, ग्राम पंचायत कनौन, बाई संख्या-3, विकास खण्ड बन्जार, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 के खण्ड (ग) की ओर आकृष्ट किया जाता है जो निम्नतः है :—

“(ग)” यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान हैं। परन्तु खण्ड (ग) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।”

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) का प्रावधान 8 जून, 2001 से प्रभावी होता है अर्थात् 8 जून, 2001 के पश्चात् यदि किसी पंचायत पदाधिकारी के जिसके इस प्रावधान के लागू होने के पूर्व दो या दो से अधिक सन्तान हैं तथा उक्त प्रावधान लागू होने के पश्चात् अतिरिक्त सन्तानें या सन्तान उत्पन्न होती है तो वह पंचायती राज संस्था में पदासीन रहने के अयोग्य होगा।

खण्ड विकास अधिकारी, बन्जारने अपने पत्र संख्या 4202, दिनांक 10-6-2003 में पंचायत निरीक्षक के माध्यम से छानबीन रिपोर्ट अनुसार सूचित किया है कि आपके मास जुलाई, 2002 को पांचवीं सन्तान उत्पन्न हुई है जिसकी पुष्टि हेतु सब सेंटर, कनौन के प्रभारी तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, कनौन द्वारा जारी प्रमाण-पत्रों अनुसार भी होती है इस सम्बन्ध में आपको जिला पंचायत अधिकारी, कुल्लू द्वारा पंजीकृत पत्र संख्या 2088, दिनांक 4 नवम्बर, 2003 को अपनी स्थिति स्पष्ट करने को लिखा गया था कि आपने किन कारणों से आज दिन तक वच्चे के जन्म का इन्द्राज पंचायत अभिलेख में नहीं करवाया। परन्तु उक्त पत्र का उत्तर अभी तक आपसे प्राप्त नहीं हुआ है। पांचवीं सन्तान पैदा होने के कारण आप हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (ण) के प्रावधान अनुसार सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य हो गये हैं।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त प्रावधान के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये विहित समय के भीतर आपने कोई भी स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की स्थिति में यह समझा जायेगा कि आपको इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आर० डी० नजीम,
उपायुक्त, कुल्लू, जिला कुल्लू,
हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

नाहन, 13 जनवरी, 2004

संख्या पी० सी० एन०-एस० एम० आर० (धारा-122)/2003-156-64.—खण्ड विकास अधिकारी, पांवटा साहिब द्वारा सूचित किया गया कि श्री रतन सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत, कठवार, विकास खण्ड, पांवटा साहिब के यहां दिनांक 20-9-2001 को एक पांचवे शिशु का जन्म हुआ है। इस तथ्य की पुष्टि हेतु श्री रतन सिंह, कथित सदस्य तथा ग्राम पंचायत, कठवार के पंचायत सचिव को परिवार रजिस्टर तथा जन्म पंजीकरण रजिस्टर सहित बुलाया गया। श्री रतन सिंह, कथित सदस्य वावजूद तामील नोटिस उपस्थित नहीं आया। अतः उसके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। पंचायत सचिव तलबिदा रिकार्ड सहित उपस्थित आया। तलबिदा रिकार्ड के अवलोकन से पाया गया कि विवादित नवजात शिशु का जन्म दिनांक 20-9-2001 को होता जन्म पंजीकरण रजिस्टर में क्रम संख्या 76 पर दिनांक 5-10-2001 को उपरोक्त श्री रतन सिंह द्वारा स्वयं ही दर्ज करवाया जाना पाया गया तथा परिवार रजिस्टर के पृष्ठ संख्या 98 पर मकान नं० 13/1 के अन्तर्गत यह शिशु श्री रतन सिंह का पांचवा वच्चा होता पाया गया। इस प्रकार इस तथ्य की पुष्टि हो गई है।

अतः मैं, एम० एल० शर्मा, भा० प्र० से०, उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हि० प्र०, हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) (ii) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रतन सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत, कठवार, विकास खण्ड, पांवटा साहिब को हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) में वर्ष 2000 के 18 वें हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड "ण" के अन्तर्गत अयोग्य घोषित कर ग्राम पंचायत, कठवार, विकास खण्ड, पांवटा साहिब के वार्ड नं० 3 के सदस्य पद को हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 131 (1) (क) के अन्तर्गत रिक्त घोषित करता हूँ।

नाहन, 13 जनवरी, 2004

संख्या पी०सी० एन०-एस० एम० आर० (धारा-122)/2003-165-73.—खण्ड विकास अधिकारी, संगडाह द्वारा सूचित किया गया कि श्रीमती जयमन्ती देवी, सदस्या, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत भवाई, विकास खण्ड संगडाह द्वारा दिनांक 18-2-2003 को एक छोटे शिशु को जन्म दिया गया है। इस तथ्य की पुष्टि हेतु श्रीमती जयमन्ती देवी, कथित सदस्या तथा ग्राम पंचायत भवाई के पंचायत सचिव को परिवार रजिस्टर तथा जन्म पंजीकरण रजिस्टर सहित बुलाया गया। श्रीमती जयमन्ती देवी, कथित सदस्या बावजूद तामील नोटिस उपस्थित नहीं हुई। अतः उसके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। पंचायत सचिव तलबिदा रिकार्ड सहित उपस्थित आया। तलबिदा रिकार्ड के अवलोकन से पाया गया कि विवादित नवजात शिशु का जन्म दिनांक 18-2-2003 को होना जन्म पंजीकरण रजिस्टर के पृष्ठ सं० 69 पर क्रम सं० 16 में दिनांक 10-5-2003 को उपरोक्त श्रीमती जयमन्ती देवी के पति श्री सुरत सिंह द्वारा स्वयं ही दर्ज करवाया जाना पाया गया तथा परिवार रजिस्टर के पृष्ठ सं० 139 पर मकान नं० 238 के अन्तर्गत यह शिशु श्री सुरत सिंह व श्रीमती जयमन्ती देवी का छोटा बच्चा होना पाया गया। इस प्रकार इस तथ्य की पुष्टि हो गई है।

अतः मैं, एम० एल० शर्मा, भा० प्र० से०, उपायुक्त, जिला सिरमौर, नाहन, हि० प्र०, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) (ii) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती जयमन्ती देवी, सदस्या, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत भवाई, विकास खण्ड संगडाह को हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 122(1) में वर्ष 2000 के 18वें हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड “ण” के अन्तर्गत अयोग्य घोषित कर ग्राम पंचायत भवाई, विकास खण्ड संगडाह के वार्ड नं० 3 के सदस्य पद को हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 131 (1) (क) के अन्तर्गत रिक्त घोषित करता हूँ।

हस्ताक्षरित/-,

उपायुक्त,

जिला सिरमौर, नाहन, (हि० प्र०)।

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी, जिला सिरमौर स्थित नाहन, हिमाचल प्रदेश

अधिसूचना

शिमला-4, 15 जनवरी, 2004

संख्या एफ० डी० एच० 34-690/77-10-145-96.—इस कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एफ० डी० एस० 34-690/77-10-5509-53, दिनांक 27-12-2003 को निरन्तरता में तथा हि० प्र० जमाखोरी एवं मुनाफाखोरी निरोधक आदेश, 1977 की धारा 3 (1) (ई०) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, सुभाष कलसोत्रा, हि० प्र० से०, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला सिरमौर स्थित नाहन उक्त अधिसूचना की अनुसूची में दर्ज वस्तुओं के प्रचून/योक भाव आगामी दो माह तक लागू रखने के आदेश देता हूँ।

सुभाष कलसोत्रा,

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी,
जिला सिरमौर स्थित नाहन, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, जिला सिरमौर, नाहन (हि० प्र०)

कार्यालय आदेश

नाहन-173001, 24 जनवरी, 2004

सं० पी० सी० एन०-एस० एम० आर० (5) (50) III-96-283-303. —यह कि जिला सिरमौर की ग्राम पंचायतों के निम्न वर्णित पदाधिकारियों के त्याग-पत्र प्राप्त हुये हैं:—

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पद, वार्ड संख्या ग्राम पंचायत का नाम व विकास खण्ड का नाम	त्याग-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख	त्याग-पत्र का कारण
1	2	3	4
1.	श्रीमती दया देवी, सदस्य, वार्ड नं०-1— रीठ कलौना, ग्राम पंचायत हल्लाहा, विकास खण्ड शिलाई ।	19-12-2003	हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1)(ग) की प्रयोग्यता के कारण ।
2.	श्री सोम प्रकाश, प्रधान, ग्राम पंचायत मायना घडेल, विकास खण्ड संगड़ाह ।	19-01-2004	-यथोपरि-
3.	श्री प्रेम दत्त, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत जरग, विकास खण्ड संगड़ाह ।	17-12-2003	-यथोपरि-
4.	श्री स्वरूप सिंह, सदस्य, वार्ड नं०-2— कजवा-2, ग्राम पंचायत सताहन, विकास खण्ड संगड़ाह ।	20-12-2003	-यथोपरि-
5.	श्री जोगेन्द्र सिंह अत्री, सदस्य, वार्ड नं०-5—गवाही, ग्राम पंचायत गवाही, विकास खण्ड संगड़ाह ।	07-01-2004	-यथोपरि-
6.	श्री कमल कुमार, सदस्य, वार्ड नं०-3— पडदूनी-2, ग्राम पंचायत पडदूनी, विकास खण्ड पांवटा साहिब ।	12-01-2004	-यथोपरि-
7.	श्री राकेश कुमार, सदस्य, वार्ड नं०-6— अजीवाला-2, ग्राम पंचायत कुण्डियों, विकास खण्ड पांवटा साहिब ।	12-01-2004	-यथोपरि-
8.	श्री बहादुर सिंह, सदस्य, वार्ड नं०-7— बर्मा पापडी-2, ग्राम पंचायत बर्मा पापडी, विकास खण्ड नाहन ।	23-01-2004	-यथोपरि-

1	2	3	4
9.	श्री रामा नन्द तोमर, सदस्य, वार्ड नं 0-2— धील पबियाणा, ग्राम पंचायत सेर-जगास, विकास खण्ड राजगढ़ ।	22-12-2003	व्यवसायिक परिस्थितियों के कारण
10.	श्री अरूण कुमार, सदस्य, वार्ड नं 0-2— रामा-2, ग्राम पंचायत रामाधौण, विकास खण्ड नाहन ।	23-01-2004	-यथोपरि-
11.	श्री मस्त राम, सदस्य, वार्ड नं 0-2— पडदूनी-1, ग्राम पंचायत पडदूनी, विकास खण्ड पांवटा ।	12-01-2004	नौकरी मिल जाने के कारण

अतः मैं, एम0 एस0 नेगी, जिला पंचायत अधिकारी, जिला सिरमौर, नाहन, (हि0 प्र0) पंचायती राज अधिनियम-1994 की धारा 130 तथा हि0 प्र0 पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 135 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त सभी पदाधिकारियों के त्याग-पत्र स्वीकार करता हूँ ।

एम0 एस0 नेगी,
जिला पंचायत अधिकारी,
जिला सिरमौर, नाहन (हि0 प्र0) ।